• बाल कविता...

दीपदान...

जल, रे दीपक, जल तू
जिनके आगे अंधियारा है,
उनके लिए उजल तू
जोता, बोया, लुना जिन्होंने
श्रम कर ओटा, धुना जिन्होंने
बत्ती बंटकर तुझे संजोया,
उनके तप का फल तू
जल, रे दीपक, जल तू
अपना तिल-तिल पिरवाया है
तुझे स्नेह देकर पाया है
उच्च स्थान दिया है घर में
रह अविचल झलमल तू
जल, रे दीपक, जल तू
चूल्हा छोड़ जलाया तुझको
क्या न दिया, जो पाया, तुझका
भूल न जाना कभी ओट का
वह पुनीत अंचल तू
जल, रे दीपक, जल तू
कुछ न रहेगा, बात रहेगी
होगा प्रात, न रात रहेगी
सब जागें तब सोना सुख से
तात, न हो चंचल तू
जल, रे दीपक, जल तू!

-मैथिलीशरण गुप्त

• चुटकुले...

दो महिलाएं कुछ समय बाद मिलीं तो एक ने पूछा – बहन आपने राजू बेटे का उंगली चूसना कैसे छुड़ाया?

दूसरी महिला– कुछ खास नहीं उसकी नेकर ढीली सिल दी हैं, वह उसे ही पकड़े रहता हैं।

कमलेश (मित्र से श्याम से) – यार मेरी पत्नी तो एकदम पागल है। हमेशा साड़ियों की ही फरमाइश करती रहती हैं। परसों एक साड़ी लाने को कह रही थी। आज सुबह फिर एक साड़ी मांग रही थी।

श्याम – अजीब बात हैं। वह इतनी साड़ियों का क्या करती हैं?

कमलेश – पता नहीं। मैंने कभी साड़ी लाकर तो दी नहीं।

• आप जानते हैं...

शॉन कॉनरी...

जेम्स बॉन्ड का किरदार निभाने वाले मशहूर अभिनेता सर शॉन कॉनरी का 31 अक्टूबर 2020 को निधन हो गया। वे जेम्स बॉन्ड को बड़े पर्दे पर लाने वाले पहले अभिनेता थे। उन्होंने इस किरदार को सात फिल्मों में निभाया था। उन्हें जेम्स बॉन्ड फिल्मों से बहुत लोकप्रियता मिली थी। शॉन कॉनरी को 'इंडियाना जोन्स एंड द लास्ट क्रूसेड' और 'द रॉक' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए भी जाना जाता है।

शॉन कॉनरी का जन्म 25 अगस्त 1930 को यूनाइटेड किंगडम में हुआ था। उन्होंने लगभग पांच दशक लंबे अपने करियर में हॉलीवुड फिल्म जेम्स बॉन्ड के किरदार में अपनी एक गहरी छाप छोड़ी है। वे बॉन्ड सीरीज की पहली पांच फिल्मों में शीर्षक भूमिका में काम कर चुके हैं। वे पहली बार साल 1962 में सीरीज की पहली फिल्म डॉक्टर नो के साथ बॉन्ड के किरदार में नजर आए थे। इसके बाद फ्रॉम रशिया विद लव (1963), गोल्डफिंगर (1964), %थंडरबॉल (1965), यू ओनली लिव ट्वाइस (1967), डायमंड्स आर फॉरेवर (1971) और नेवर से नेवर अगेन (1983) के साथ उनका यह सिलसिला चलता रहा।

उन्होंने द विंड एंड द लायन, द मैन हू वुड बी किंग और इंडियाना जॉन्स एंड लास्ट क्रूसेड जैसी कई फिल्मों में काम किया था। शॉन कॉनेरी को साल 1956 में बीबीसी प्रोडक्शन की फिल्म में काम मिला था। उन्होंने इसके बाद कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे अभिनेता बनने से पहले एक दूधवाले के तौर पर काम करते थे। वे हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता माइकल केन को फिल्म इंडस्ट्री के अपने सबसे करीबी दोस्तों में से एक मानते थे। शॉन कॉनरी ने अपने एक्टिंग करियर के शुरुआती वर्षों में कई छोटी भूमिकाएं कीं। उन्हें पहला बड़ा ब्रेक साल 1962 में पहली जेम्स बॉन्ड फिल्म के साथ मिला। शॉन कॉनेरी के पिता एक फैक्ट्री में मजदूर थे और मां दूसरों के घरों में सफ़ाई का काम किया करती थीं। उन्होंने 13 साल की उम्र में स्कूल छोड़ दिया।

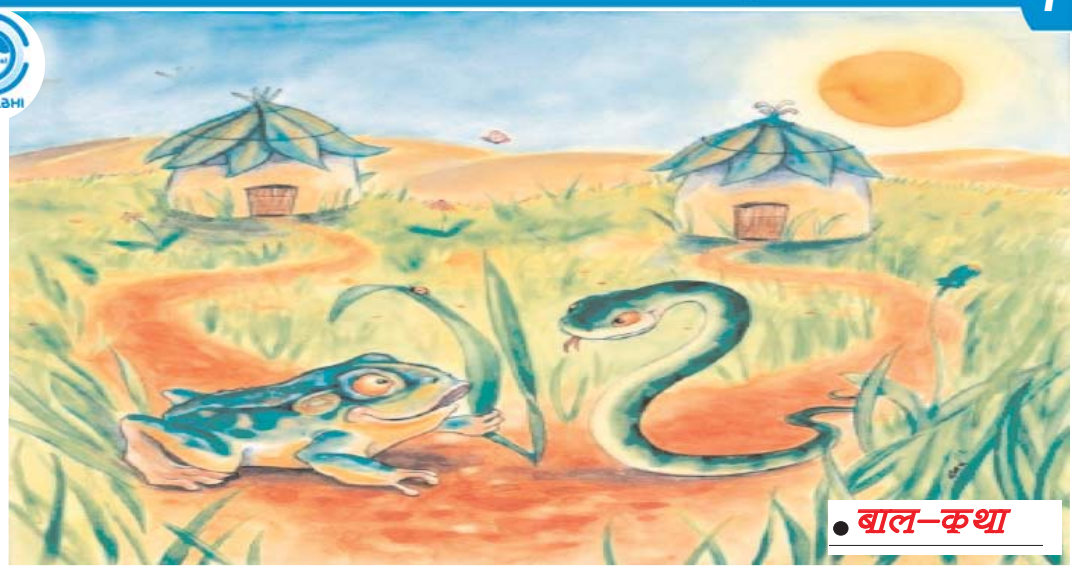

• बाल-कथा

मेंढकराज और नाग...

नाग गंगदत्त के साथ सुरंग कक्ष में जाकर बैठ गया। गंगदत्त ने पहले सारे पड़ोसी मेंढक राजाओं और उनकी प्रजाओं को खाने के लिए कहा।

नाग कुछ सप्ताहों में सारे दूसरे कुओं के मेंढकों को सुरंगों के रास्ते जा–जाकर खा गया। जब सब समाप्त हो गए तो नाग गंगदत्त से बोला, अब किसे खाऊं? जल्दी बता। चौबीस घंटे पेट फुल रखने की आदत पड़ गई है...

गतांक से आगे...

नाग गंगदत्त से दोस्ती के लिए तैयार हो गया। क्योंकि उसमें उसका लाभ ही लाभ था। एक मूर्ख बदले की भावना में अंधे होकर अपनों को दुश्मन के पेट के हवाले करने को तैयार हो तो दुश्मन क्यों न इसका लाभ उठाए?

नाग गंगदत्त के साथ सुरंग कक्ष में जाकर बैठ गया। गंगदत्त ने पहले सारे पड़ोसी मेंढक राजाओं और उनकी प्रजाओं को खाने के लिए कहा। नाग कुछ सप्ताहों में सारे दूसरे कुओं के मेंढकों को सुरंगों के रास्ते जा-जाकर खा गया। जब सब समाप्त हो गए तो नाग गंगदत्त से बोला, अब किसे खाऊं? जल्दी बता। चौबीस घंटे पेट फुल रखने की आदत पड़ गई है।

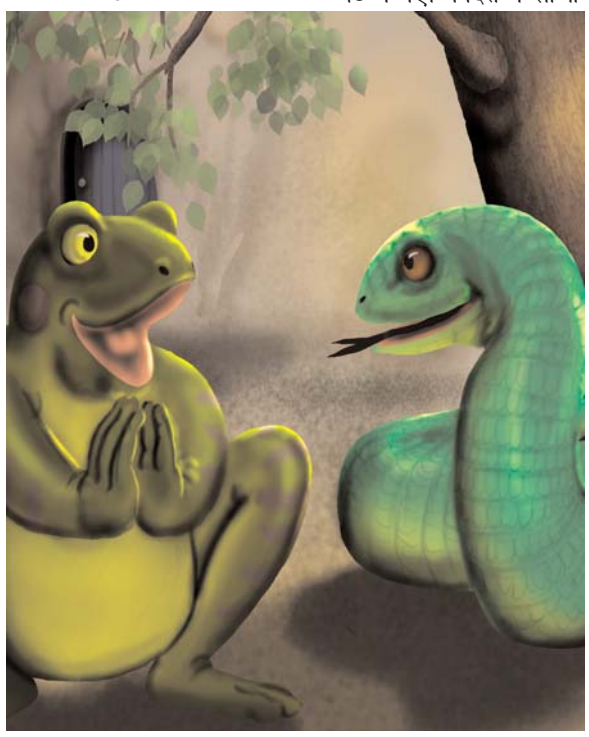

गंगदत्त ने कहा, अब मेरे कुएं के सभी सयाने और बुद्धिमान मेंढकों को खाओ।

वह खाए जा चुके तो प्रजा की बारी आई। गंगदत्त ने सोचा, प्रजा की ऐसी की तैसी। हर समय कुछ न कुछ शिकायत करती रहती है। उनको खाने के बाद नाग ने खाना मांगा तो गंगदत्त बोला, नाग मित्र, अब केवल मेरा कुनबा और मेरे मित्र बचे हैं। खेल खत्म और मेंढक हजम।

नाग ने फन फैलाया और फुफकारने लगा, मेंढक, मैं अब कहीं नहीं जाने का। तू अब खाने का इंतजाम कर वर्ना।

गंगदत्त की बोलती बंद हो गई। उसने नाग को अपने मित्र खिलाए फिर उसके बेटे नाग के पेट में गए। गंगदत्त ने सोचा कि मैं और मेंढकी जिंदा रहे तो बेटे और पैदा कर लेंगे। बेटे खाने के बाद नाग फुफकारा, और खाना कहां है? गंगदत्त ने डरकर मेंढकी की ओर इशार किया। गंगदत्त ने स्वयं के मन को समझाया, चलो बूढ़ी मेंढकी से छुटकारा मिला। नई जवान मेंढकी से विवाह कर नया संसार बसाऊंगा।

मेंढकी को खाने के बाद नाग ने मुंह फाड़ा, खाना।

गंगदत्त ने हाथ जोड़े, अब तो केवल मैं बचा हूं। तुम्हारा दोस्त गंगदत्त। अब लौट जाओ।

नाग बोला, तू कौन-सा मेरा मामा लगता है और उसे हड़प गया।

-समाप्त

• जानकारी...

पन्ना टाइगर रिजर्व...

पन्ना टाइगर रिजर्व भारत का 12वां बाघ अभयारण्य है। बाघों के मुख्य अभयारण्य होन के साथ-साथ यहां मगरमच्छ और अन्य जीव भी अच्छी संख्या में हैं। मध्य प्रदेश के उत्तर में पन्ना और छतरपुर जिलों में फैला टाइगर रिजर्व विंध्य रेंज में स्थित है। साल 1981 में पन्ना टाइगर रिजर्व की स्थापना राष्ट्रीय उद्यान के तौर पर की गयी थी। केंद्र सरकार ने साल 1994 में राष्ट्रीय उद्यान को पन्ना टाइगर रिजर्व के रूप में घोषित की दिया था। यूनेस्को ने पन्ना टाइगर रिजर्व को अपने मैन एंड बायोस्फीयर प्रोग्राम का हिस्सा बनाया है। वर्तमान में पन्ना टाइगर रिजर्व 56 बाघों का घर है। पन्ना राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश के पन्ना और छतरपुर जिलों की सीमा में स्थित है। इस उद्यान का क्षेत्रफल 542.67 वर्ग किलोमीटर है। इसे 25 अगस्त 2011 को बायोस्फीयर रिजर्व के रूप में नामित किया गया था। साल 2007 में भारत के पर्यटन मंत्रालय द्वारा भारत के सर्वश्रेष्ठ रखरखाव वाले राष्ट्रीय उद्यान के रूप में उत्कृष्टता का पुरस्कार दिया गया था। केन नदी इस राष्ट्रीय उद्यान का मुख्य आकर्षण है।

• तोते..

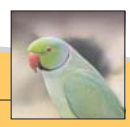

तोते झुंड में रहने वाले पक्षी हैं, जिनके नर मादा एक जैसे होते हैं। इसकी मादा पेड़ के कोटर या तनों में सुराख काटकर 1 से 12 तक सफेद अंडे देती है। तोते के मुख्य निवास स्थान ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड हैं, जहां के अनेक प्रकार के रंगीन तोते प्रति वर्ष पकड़कर विदेशों में भेजे जाते हैं। तोता पूरे भारत में कहीं भी आसानी से दिख जाता है। ये भारत और श्रीलंका से ऑस्ट्रेलिया तथा प्रशांत महासागर के द्वीपों, दक्षिण-पूर्व एशिया व उष्णकटिबंधीय अमेरिका में भी पाए जाते हैं।